पावणा | by Sourav Sharma

श्यामा थारी मन में आवे, बाबा थारी याद सातवे
दो दिन रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....

चांदी की कणकति घड़ा द्यूं, लड़ लटका द्यूं न्यारी
श्याम वरण पर धोली धोली लागे प्यारी प्यारी
जां में घुँघरा बंधा द्यूं दो दिन रहजा पावणा
रहजा रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....

बाजू बंद भुजा में बाँधू गले में कण्ठी माला
काना माहि झाला मुरकी आजा खाटूवाला
जां में मोरनी मंडवा द्यूं दो दिन रहजा पावणा
रहजा रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....

जामो तो केसरिया ल्या द्यूं गहरो घेर घुमेर
घुँघी वालो टोपियों जांके फूंदा चारु मेर
जां में तम्बूरी तनवा द्यूं दो दिन रहजा पावणा
रहजा रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....

सोहन लाल तेरे द्वारे पर ऊबो हेलो मारे
ज्ञान ध्यान कछु जाने नाही सीधो सट ही दहाड़े
तो पे लूण राई वारुं दो दिन रहजा पावणा
रहजा रहजा पावणा.....
रहजा रहजा पावणा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a3%e0%a4%be-by-sourav-sharma/